अमर उजाला 7/8/26

थाईलैंड में चमके खिलाड़ी, ताइक्वांडो चैंपियनशिप में जीते 15 पदक

एकाग्र रुपेश ने 30 सेकंड में 120 किक लगाकर नया टूर्नामेंट रिकॉर्ड बनाया

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। शहर के सेक्टर 40 स्थित ब्लैक ड्रैगन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और शहर का नाम रोशन किया है। थाईलैंड के पटाया स्थित ईस्टर्न नेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित 9वीं हीरोज कप इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 15 पदक (8 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य) अपने नाम किए। प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती और उत्कृष्ट कौशल का परिचय देते हुए विदेशी धरती पर तिरंगा लहराया। अकादमी के स्टार खिलाड़ी एकाग्र रूपेश इस चैंपियनशिप के सबसे बड़े आकर्षण रहे। उन्होंने सब-जूनियर वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। इसके साथ ही, ओपन इंडिविजुअल स्पीड किकिंग प्रतियोगिता में उन्होंने मात्र 30 सेकंड में 120 किक लगाकर एक नया टूर्नामेंट रिकॉर्ड अपने नाम किया।

तुषार सोहल की जुझारू भावना: सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान तुषार सोहल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अत्यधिक दर्द के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा, तुरंत प्राथमिक उपचार लिया और कोच के प्रोत्साहन से दोबारा मैट पर उतरे। उन्होंने न केवल फाइनल मुकाबला खेला, बल्कि शानदार जीत दर्ज कर भारत की झोली में स्वर्ण पदक डाला।

पदकों के साथ ब्लैक ड्रैगन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी। अकादमी

पदक विजेताओं की सूची

स्वर्ण पदक विजेता (8): ▪ **एकाग्र रूपेश:** सब-जूनियर अंडर-27 किग्रा क्योरुगी तथा ओपन इंडिविजुअल स्पीड किकिंग (दो स्वर्ण)। ▪ **कृष्ण कुमार:** सीनियर पुरुष अंडर-74 किग्रा+ क्योरुगी। ▪ **तुषार सोहल:** जूनियर पुरुष अंडर-55 किग्रा+ क्योरुगी। ▪ **ईशवप्रीत सिंह:** जूनियर पुरुष अंडर-63 किग्रा+ क्योरुगी। ▪ **कृष्णा:** सब-जूनियर अंडर-40 किग्रा+ क्योरुगी। ▪ **स्टैनजिन गलदान:** जूनियर पुरुष अंडर-68 किग्रा+ क्योरुगी। ▪ **हरप्रीत कौर (हैरी):** ओपन इंडिविजुअल स्पीड किकिंग।

रजत पदक विजेता (4): **परमीत सिंह:** सब-जूनियर 40 किग्रा+ क्योरुगी। ▪ **कानन शर्मा:** कैडेट अंडर-53 किग्रा। ▪ **दिवलीन कौर:** महिला सब-जूनियर 40 किग्रा। ▪ **हरप्रीत कौर (हैरी):** सीनियर महिला अंडर-49 किग्रा+ क्योरुगी।

कांस्य पदक विजेता (3): **परमीत सिंह:** ओपन स्पीड किकिंग। ▪ **कृष्णा:** ओपन स्पीड किकिंग। ▪ **हरबाजिंदर सिंह:** सब-जूनियर अंडर-38 किग्रा+ क्योरुगी।

हरप्रीत कौर का अदम्य साहस: सीनियर महिला वर्ग के एक कड़े मुकाबले के दौरान हरप्रीत कौर (हैरी) के पैर में गंभीर चोट लग गई। चोट इतनी गहरी थी कि उन्हें मुकाबला बीच में ही रोककर तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा। मैच जारी न रख पाने के बावजूद उनके पिछले शानदार प्रदर्शन को देखते हुए प्रतियोगिता अधिकारियों ने उन्हें रजत पदक से सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले एमराल्ड मार्शल आर्ट्स टीम के खिलाड़ी। कोच

एमराल्ड मार्शल आर्ट्स की टीम ने बटोरे कई पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। थाईलैंड के पटाया में आयोजित 9वीं हीरोज ताइक्वांडो इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2026 में चंडीगढ़ की एमराल्ड मार्शल आर्ट्स के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में 30 से अधिक देशों के करीब 3,500 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण 2.8 वर्षीय पृथ्वीराज घर्ती रहे। उन्होंने अंडर-4 वर्ष स्पीड किकिंग वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीता। इतनी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर उन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इबादत कौर और शिवांजली वशिष्ठ ने स्पीड किकिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के साथ पूमसे में कांस्य पदक भी हासिल किया। वहीं प्रेरणा प्रियदर्शी ने क्योरुगी (फाइट) में रजत पदक अपने नाम किया। प्रगति महाजन ने स्पीड किकिंग में रजत और पूमसे में कांस्य पदक जीतकर टीम की सफलता में योगदान दिया। टीम का नेतृत्व मास्टर शिव राज घर्ती ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धि का श्रेय उनकी मेहनत, अनुशासन और विश्वास को दिया।

दैनिक सवेरा 7/8/26

थाईलैंड में चंडीगढ़ के ताइक्वांडो खिलाड़ियों का परचम 9वीं हीरोज कप इंटरनैशनल चैंपियनशिप में भारत के लिए जीते 15 पदक

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 31 देशों के लगभग 4,401 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जबकि भारत से 297 खिलाड़ियों का दल शामिल हुआ

सवेरा न्यूज/अमित

चंडीगढ़, 6 अगस्तः चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर शहर और देश का नाम रोशन किया है। ब्लैक ड्रैगन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स अकादमी (इंडिया), चंडीगढ़ के 11 खिलाड़ियों ने 31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक ईस्टर्न नेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर, पटाया (थाईलैंड) में आयोजित 9वीं हीरोज कप इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की झोली में 15 पदक (8 स्वर्ण, 4 रजत एवं 3 कांस्य) डालकर इतिहास रच दिया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 31 देशों के लगभग 4,401 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जबकि भारत से 297 खिलाड़ियों का दल शामिल हुआ। इनमें से ब्लैक ड्रैगन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स अकादमी, चंडीगढ़ के 11 खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चंडीगढ़ को देश की सबसे सफल अकादमियों में शामिल कर दिया।

9वीं हीरोज कप इंटरनेशनल चैंपियनशिप के पदक विजेता।

एकाग्र रूपेश ने रचा इतिहास

प्रतियोगिता के सबसे चर्चित खिलाड़ी एकाग्र रूपेश (दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर-40, चंडीगढ़) रहे। उन्होंने सब-जूनियर अंडर-27 किलोग्राम क्योरुगी तथा ओपन इंडिविजुअल स्पीड किकिंग में दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्पीड किकिंग प्रतियोगिता में उन्होंने मात्र 30 सेकंड में 120 किक लगाकर नया टूर्नामेंट रिकॉर्ड बनाया। यह प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में कोई भी खिलाड़ी नहीं तोड़ सका और यह हीरोज कप इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप के इतिहास का पहला रिकॉर्ड बन गया।

तुषार सोहल की जुझारू भावना बनी प्रेरणा

सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान तुषार सोहल को ग्रोइन में गंभीर चोट लगी। दर्द के बावजूद उन्होंने तत्काल उपचार लिया, कोच के प्रोत्साहन से दोबारा मैट पर लौटे और फाइनल मुकाबला जीतकर भारत के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी अद्भुत जुझारू भावना पूरे भारतीय दल और ब्लैक ड्रैगन टीम के लिए प्रेरणा बनी।

हरप्रीत कौर का साहस

सीनियर महिला मुकाबले के दौरान हरप्रीत कौर (हैरी) के पैर में गंभीर चोट लग गई। चोट के कारण उन्हें मुकाबला बीच में छोड़कर अस्पताल ले जाना पड़ा। चिकित्सकीय कारणों से वे मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिसके बाद प्रतियोगिता अधिकारियों ने उन्हें रजत पदक प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वह स्पीड किकिंग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ा चुकी थीं।

कोचिंग टीम की अहम भूमिका

इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा कोचिंग स्टाफ के समर्पण को जाता है। भारतीय दल का नेतृत्व टीम कोच कृष्ण कुमार, टीम मैनेजर श्रीमती रामनदीप कौर, टीम हेड श्री सतविंदर सिंह तथा रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल की ताइक्वांडो कोच हरजोत ढींगरा ने किया।

स्वर्ण पदक विजेता

- कृष्ण कुमार (यूआईएलएस, पंजाब विश्वविद्यालय, सेक्टर-14, चंडीगढ़) झ सीनियर पुरुष अंडर-74 किग्रा+ क्योरुगी स्वर्ण पदक। उन्होंने श्रीलंका, फिलीपींस, थाईलैंड और इंडोनेशिया के खिलाड़ियों को हराकर खिताब जीता।
- तुषार सोहल (स्टेपिंग स्टोन्स स्कूल, सेक्टर-37) झ जूनियर पुरुष अंडर-55 किग्रा+ क्योरुगी स्वर्ण पदक।
- ईशवप्रीत सिंह (जीएमएसएसएस सेक्टर-40) जूनियर पुरुष अंडर-63 किग्रा+ क्योरुगी स्वर्ण पदक।
- कृष्णा (जीएमएसएसएस सेक्टर-40) झ सब-जूनियर अंडर-40 किग्रा+ क्योरुगी स्वर्ण पदक।
- स्टैनज़िन गलदान (रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल, एरोसिटी) जूनियर पुरुष अंडर-68 किग्रा+ क्योरुगी स्वर्ण पदक।
- हरप्रीत कौर (हैरी) (एस.डी. कॉलेज, सेक्टर-32) ओपन इंडिविजुअल स्पीड किकिंग स्वर्ण पदक।
- एकाग्र रूपेश झ दो स्वर्ण पदक।

रजत पदक विजेता

- परमीत सिंह (सेंट कबीर पब्लिक स्कूल, सेक्टर-26) सब-जूनियर 40 किग्रा+ क्योरुगी।
- कानन शर्मा (रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल, एरोसिटी) झ कैडेट अंडर-53 किग्रा।
- दिवलीन कौर (रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल) झ महिला सब-जूनियर 40 किग्रा+।
- हरप्रीत कौर (हैरी) सीनियर महिला अंडर-49 किग्रा+ क्योरुगी।

कांस्य पदक विजेता

- परमीत सिंह ओपन स्पीड किकिंग।
- कृष्णा ओपन स्पीड किकिंग।
- हरबाज़िंदर सिंह सब-जूनियर अंडर-38 किग्रा+ क्योरुगी।

ब्लैक ड्रैगन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स अकादमी का कुल प्रदर्शन

स्वर्ण पदक 8
रजत पदक 4
कांस्य पदक 3
कुल पदक 15

पंजाब केसरी 7/8/26

9वीं हीरोज कप इंटरनैशनल चैंपियनशिप

इंजरी होने के बाद भी तुषार ने जीता स्वर्ण और हरप्रीत ने रजत

इंजरी के दौरान पैर में पट्टी बाधकर बैठी हुई हरप्रीत कौर। (राणा)

चंडीगढ़, 6 अगस्त (लल्लन यादव): शहर के ताइक्वाड़ो खिलाड़ी तुषार सोहल व हरप्रीत कौर को इंजरी होने के बाद भी 9वीं हीरोज कप इंटरनैशनल चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने में सफल रहे। इनके कोच कृष्ण कुमार ने बताया कि फाइनल मैच में सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान तुषार सोहल को ग्रोइन में गंभीर चोट लगी। दर्द के बावजूद उन्होंने तत्काल उपचार लिया। कोच के प्रोत्साहन से दोबारा मैट पर लौटे और फाइनल मुकाबला जीतकर भारत के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया।

वहीं एस.डी.कालेज-32 की हरप्रीत कौर को सैमीफाइनल मैच के दौरान पैर में फ्रैक्चर हो गया था। इस दर्द के बीच सैमीफाइनल मैच पूरा किया और जीतकर फाइनल में पंहुची लेकिन फाइनल खेलने के लिए डाक्टर टीम ने मना कर दिया जिसके कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह चैंपियनशिप 31 जुलाई से 2 अगस्त तक ईस्टर्न नेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर, पटाया (थाईलैंड) में आयोजित की गई थी जिसमें 31 देशों के लगभग 4,401 खिलाड़ियों ने भाग लिया।